



ऑयल इंडिया
OIL INDIA

ENVIRONMENT POLICY

1. Purpose

Oil India Limited ("Oil India") is committed to achieve excellence in environmental management. Our mission is to minimize environmental impacts throughout the entire lifecycle of our operations by proactive natural resource conservation and pollution prevention measures, both on-site and off-site. This policy establishes a forward-looking vision for sustainable environmental practices across all facets of our business activities.

2. Scope

This policy applies to all entities within Oil India Limited, including subsidiaries, joint ventures, managed sites, licensees, outsourcing partners, corporate offices, and research facilities. It extends to all employees, contractors, business partners, suppliers, service providers, and other key stakeholders during due diligence, acquisitions, and mergers.

The policy covers the entire operational lifecycle of our projects—from planning through evaluation, operation, and closure. It includes all operations across upstream, midstream, downstream, alternative energy, and any other portfolios. Environmental parameters include, but are not limited to, greenhouse gas emissions, energy consumption, water consumption, resource efficiency, pollution, waste, and biodiversity, etc.

3. Objectives of the Environmental Policy

Oil India has established this policy to act as a guidance towards its commitment to becoming an environmentally responsible organization.

4. Commitments of the policy

Strengthen Environmental Management Approach

- **Regulatory Compliance:** Adhere to all relevant Central, State and any other environmental laws, regulations, and statutory requirements.
- **Environmental Considerations:** Integrate environmental considerations and performance metrics in capital allocation and operational decision-making processes.
- **Environmental Management Systems:** Develop, implement, and continually enhance environmental management systems aligned with ISO 14001 or equivalent frameworks to meet world-class standards.
- **Risk Assessment and Mitigation:** Regularly assess environmental risks, manage potential impacts, implement effective mitigation and adaptation strategies, and adopt proactive safeguards like insurance for contingencies.
- **Review and Continuous Monitoring:** Periodically review and assess environmental performance against this policy to ensure effective management of environmental impacts.
- **Continuous Improvement and Innovation:** Drive continuous improvements in environmental performance by adopting the best available practices and technologies and investments in R&D.

Enhance Environmental Performance

- **Sustainable Resource Management:** Adopt circular economy principles to strengthen energy, water, waste, biodiversity, and other natural resource management practices.
- **Biodiversity:** Conduct biodiversity risk assessments, apply the mitigation hierarchy to avoid or minimize biodiversity and nature-based risks and promote afforestation.
- **Climate Action:** Undertake immediate and long-term actions to reduce GHG emissions, transition to low-carbon energy, improve air quality, and achieve net-zero emissions for Scope 1 and Scope 2, while mitigating climate risks.

Ensure Transparency and Accountability

- **Target Setting:** Establish clear objectives and targets aimed at minimizing, reducing, or mitigating environmental impacts by applying the mitigation hierarchy (prioritize prevention, reduce, reuse, recycle, and responsible management) and ensuring transparent reporting thereof.
- **Sustainability-linked KPIs:** Key Performance Indicators (KPIs) of Executives will be tied to the achievement of environmental targets, ensuring accountability in driving sustainability initiatives.

Setup Enabling Ecosystem

- **Stakeholder Engagement:** Enhance awareness among internal and external stakeholders, including business partners and suppliers, on potential environmental impacts and their responsible management. Engage with local communities, regulators, and other stakeholders to ensure transparency and build trust in our environmental stewardship.
- **Collaboration & Partnership:** Foster partnerships with national and international organizations to enhance environmental performance and build environmental resilience.
- **Sensitization and training:** Sensitize/ train employees, contractors and suppliers, regarding the importance of minimizing environmental risks and understanding the environmental consequences of their actions.
- **Transparency and Reporting:** Regularly communicate environmental management efforts, progress, and performance to all stakeholders through public disclosures, including sustainability reports. Seek external assurance of environmental data and ensure alignment with recognized global reporting standards.

5. Responsibility & Review

Oil India Limited is responsible and committed to implement this policy. Director-Operations, along with Board level Sub-Committee, are responsible for the oversight and enforcement of the Policy. ED-HSE & ESG is responsible for full implementation and adherence to associated standards. The Sub-Committee will review this policy annually and propose necessary revisions if required.

Ranjit Raha
Dr. Ranjit Rath
Chairman & Managing Director

Effective Date:- 18/12/2024



ऑयल इंडिया
OIL INDIA

पर्यावरण नीति

1. उद्देश्य

ऑयल इंडिया लिमिटेड ("ऑयल इंडिया") पर्यावरण प्रबंधन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा मिशन प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करके और हमारे कार्यस्थलों पर और उसके बाहर प्रदूषण को रोककर हमारे प्रचालन के हर चरण में पर्यावरणीय प्रभावों को कम करना है। यह नीति हमारी सभी व्यावसायिक गतिविधियों में स्थायी पर्यावरणीय प्रथाओं को अपनाने के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण निर्धारित करती है।

2. कार्यक्षेत्र

यह नीति ऑयल इंडिया लिमिटेड के सभी निकायों पर लागू होती है, जिसमें सहायक कंपनियाँ, संयुक्त उद्यम, प्रबंधित साइटें, लाइसेंसधारी, आउटसोर्सिंग भागीदार, कॉर्पोरेट कार्यालय और अनुसंधान सुविधाएं शामिल हैं। यह सभी कर्मचारियों, ठेकेदारों, व्यावसायिक भागीदारों, आपूर्तिकर्ताओं, सेवा प्रदाताओं और अन्य प्रमुख हितधारकों पर विशेष रूप से जांच-पड़ताल, अधिग्रहण और विलय के दौरान लागू होती है।

यह नीति हमारी परियोजनाओं के संपूर्ण परिचालन चक्र को कवर करती है - योजना बनाने से लेकर आकलन, प्रचालन और समापन तक। इसमें अपस्ट्रीम, मिडस्ट्रीम, डाउनस्ट्रीम, वैकल्पिक ऊर्जा और किसी भी अन्य पोर्टफोलियो के सभी उपकरण शामिल हैं। पर्यावरणीय मापदंडों में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, ऊर्जा खपत, जल खपत, संसाधन दक्षता, प्रदूषण, अपशिष्ट और जैव विविधता आदि शामिल हैं, लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं है।

3. पर्यावरण नीति के उद्देश्य

ऑयल इंडिया ने पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार संगठन बनने की अपनी प्रतिबद्धता को दिशा देने के लिए यह नीति बनाई है।

4. नीतिगत प्रतिबद्धताएँ

पर्यावरण प्रबंधन दृष्टिकोण को सुदृढ़ करना

- **विनियामक अनुपालन:** सभी प्रासंगिक केंद्रीय, राज्य और अन्य पर्यावरणीय कानूनों, विनियमों और सांविधिक आवश्यकताओं का पालन करना।
- **पर्यावरणीय विचार:** पूंजी आवंटन और परिचालन निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में पर्यावरणीय विचारों और प्रदर्शन मैट्रिक्स को एकीकृत करना।
- **पर्यावरण प्रबंधन प्रणालियाँ:** विश्व स्तरीय मानकों को पूरा करने के लिए आईएसओ 14001 या समकक्ष ढांचे के अनुरूप पर्यावरण प्रबंधन प्रणालियों का विकास, कार्यान्वयन और निरंतर संवर्द्धन करना।
- **जोखिम मूल्यांकन और उपशमन:** पर्यावरणीय जोखिमों का नियमित मूल्यांकन करना, संभावित प्रभावों का प्रबंधन करना, प्रभावी उपशमन और अनुकूलन रणनीतियों को लागू करना, तथा आकस्मिकताओं के लिए बीमा जैसे सक्रिय सुरक्षा उपाय अपनाना।
- **समीक्षा और सतत निगरानी:** पर्यावरणीय प्रभावों का कारगर प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए इस नीति के अनुसार पर्यावरणीय प्रदर्शन की समय-समय पर समीक्षा और आकलन करना।
- **निरंतर सुधार और नवाचार:** सर्वोत्तम प्रथाओं, उन्नत प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके तथा अनुसंधान एवं विकास में निवेश करके पर्यावरण प्रदर्शन में निरंतर सुधार सुधार लाना।

पर्यावरण प्रदर्शन को बढ़ाना

- **स्थायी संसाधन प्रबंधन:** ऊर्जा, जल, अपशिष्ट, जैव विविधता और अन्य प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रथाओं को सुदृढ़ करने के लिए चक्रीय अर्थव्यवस्था सिद्धांतों को अपनाना।
- **जैव विविधता:** जैव विविधता के लिए खतरों का आकलन करना, प्रकृति को होने वाले नुकसान से बचने या उसे कम करने के लिए कदम उठाना तथा वनरोपण को बढ़ावा देना।
- **जलवायु कार्रवाई:** जलवायु जोखिमों का प्रबंधन करते हुए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना, स्वच्छ ऊर्जा अपनाना, वायु गुणवत्ता में सुधार लाना तथा स्कोप 1 और स्कोप 2 के लिए नेट-जीरो उत्सर्जन तक पहुँचने के लिए त्वरित और दीर्घकालिक कदम उठाना।

पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना

- **लक्ष्य निर्धारण:** चरण-दर-चरण दृष्टिकोण (रोकथाम, कमी, पुनः उपयोग, रिसाइकल और जिम्मेदार प्रबंधन को प्राथमिकता देना) को लागू करके और इसके पारदर्शी रिपोर्टिंग को सुनिश्चित करके पर्यावरणीय प्रभावों को न्यूनतम करने, घटाने या कम करने के उद्देश्य से स्पष्ट उद्देश्यों और लक्ष्यों को स्थापित करना।
- **स्थिरता-संबंधी केपीआई:** कार्यपालकों के प्रमुख निष्पादन संकेतकों (केपीआई) को पर्यावरणीय लक्ष्यों की प्राप्ति से जोड़ा जाएगा, जिससे स्थिरता संबंधी पहलों को आगे बढ़ाने में जवाबदेही सुनिश्चित होगी।

सहायक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना

- **हितधारकों की सहभागिता:** संभावित पर्यावरणीय प्रभावों और उनके जिम्मेदार प्रबंधन के बारे में, व्यावसायिक भागीदारों और आपूर्तिकर्ताओं सहित आंतरिक और बाहरी हितधारकों के बीच जागरूकता बढ़ाना। पारदर्शिता सुनिश्चित करने और हमारे पर्यावरणीय प्रबंधन में विश्वास बनाने के लिए स्थानीय समुदायों, विनियामकों और अन्य हितधारकों के साथ सहभागिता करना।
- **सहयोग एवं भागीदारी:** पर्यावरणीय प्रदर्शन को बढ़ाने और पर्यावरणीय लचीलापन बनाने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ साझेदारी को बढ़ावा देना।
- **संवेदनशीलता और प्रशिक्षण:** कर्मचारियों, ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं को पर्यावरणीय जोखिमों को न्यूनतम करने के महत्व और उनके कार्यों के पर्यावरणीय परिणामों को समझने के संबंध में संवेदनशील बनाना/ प्रशिक्षित करना।
- **पारदर्शिता और रिपोर्टिंग:** स्थिरता रिपोर्टों सहित पर्यावरण प्रबंधन प्रयासों, प्रगति और प्रदर्शन को सभी हितधारकों को सार्वजनिक रूप से नियमित रूप से साझा करना। बाहरी समीक्षाओं के माध्यम से पर्यावरणीय डेटा को सत्यापित करना और वैश्विक रिपोर्टिंग मानकों का पालन करना।

5. जिम्मेदारी और समीक्षा

ऑयल इंडिया लिमिटेड इस नीति का पालन करने और उसे लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। निदेशक-प्रचालन, बोर्ड-स्तरीय उप-समिति के साथ मिलकर नीति की देखरेख और उसे लागू करने के लिए जिम्मेदार हैं। कार्यकारी निदेशक-उपएडसई और ईएसजी संबंधित मानकों का पूर्ण कार्यान्वयन और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं। उप-समिति हर साल इस नीति की समीक्षा करेगी और किसी भी आवश्यक संशोधन का सुझाव देगी।

Ranjit Raha
डॉ. रंजीत रथ
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

प्रभावी तिथि:- 18/12/2024



ऑयल इंडिया
OIL INDIA

পরিবেশ সস্বকীয় নীতি

১) উদ্দেশ্য

পরিবেশ ব্যৱস্থাপনাত উৎকৃষ্টতা আনিবৰ বাবে অইল ইণ্ডিয়া লিমিটেড প্ৰতিশ্ৰুতিবদ্ধ। আমাৰ উদ্দেশ্য হৈছে, অন-ছাইট আৰু অফ-ছাইট দুয়ো ক্ষেত্ৰতে সক্ৰিয় প্ৰাকৃতিক সম্পদ সংৰক্ষণ আৰু প্ৰদূষণ প্ৰতিৰোধ ব্যৱস্থাৰ জৰিয়তে আমাৰ সঞ্চালন কাৰ্য্যৰ সমগ্ৰ কালছোৱাত পৰিৱেশ সস্বকীয় প্ৰভাৱ হ্ৰাস কৰা। এই নীতিয়ে আমাৰ ব্যৱসায়িক কাৰ্য্যকলাপৰ সকলো দিশতে বহনক্ষম পৰিৱেশ সস্বকীয় পদ্ধতিসমূহৰ বাবে এক প্ৰগতিশীল দৃষ্টিভংগী প্ৰতিষ্ঠা কৰে।

২) পৰিসৰ

এই নীতি অইল ইণ্ডিয়া লিমিটেডৰ ভিতৰৰ সকলো সত্তাতে প্ৰযোজ্য, য'ত সহায়ক উদ্যোগ, যৌথ উদ্যোগ, পৰিচালিত ক্ষেত্ৰ, অনুজ্ঞাপ্ৰথাৰী, বাহ্যিক সহযোগী, কৰ্পৰেট কাৰ্য্যালয় আৰু গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠান অন্তৰ্ভুক্ত। লগতে, সতৰ্কতা অনুপালন, অধিগ্ৰহণ আৰু একত্ৰীভৱনৰ ক্ষেত্ৰত এই নীতি সকলো কৰ্মচাৰী, ঠিকাদাৰ, ব্যৱসায়িক সহযোগী, যোগানকৰ্তা, সেৱা প্ৰদানকাৰী আৰু অন্যান্য প্ৰধান অংশীদাৰসকলৰ ক্ষেত্ৰত প্ৰযোজ্য।

এই নীতিয়ে আমাৰ প্ৰকল্পসমূহৰ সমগ্ৰ জীৱনচক্ৰকে সামৰি লয় – মূল্যায়নৰ জৰিয়তে কৰা পৰিকল্পনাৰ পৰা আৰম্ভ কৰি সঞ্চালন আৰু পৰিসমাপ্তিলৈকে। ই আপষ্ট্ৰীম, মিডষ্ট্ৰীম, ডাউনষ্ট্ৰীম, বিকল্প শক্তি আৰু অন্যান্য পটফিলিঅ' আদিত হোৱা সকলো সঞ্চালন কাৰ্য্যকে সাঙুৰি লৈছে। পৰিৱেশ সস্বকীয় পাৰামিটাৰসমূহৰ ভিতৰত গ্ৰীনহাউচ গেছ নিগমণ, শক্তিৰ ব্যৱহাৰ, পানীৰ ব্যৱহাৰ, সম্পদৰ কাৰ্য্যক্ষমতা, প্ৰদূষণ, আৱৰ্জনা আৰু জৈৱ বৈচিত্ৰ্য আদি অন্তৰ্ভুক্ত।

৩) পৰিৱেশ সস্বকীয় নীতিৰ উদ্দেশ্যসমূহ

পৰিৱেশৰ প্ৰতি দায়বদ্ধ এক প্ৰতিষ্ঠানলৈ পৰিগণিত হোৱাৰ প্ৰতিশ্ৰুতিৰ দিশত এক মাৰ্গদৰ্শক হিচাপে অইল ইণ্ডিয়া লিমিটেডে এই নীতিৰ প্ৰতিষ্ঠা কৰে।

৪) এই নীতিৰ সংকল্পসমূহ

পৰিৱেশ ব্যৱস্থাপনা পদক্ষেপক শক্তিশালী কৰা

- **নিয়ামক অনুপালন:** সকলো প্ৰাসংগিক কেন্দ্ৰীয়, ৰাজ্যিক আৰু অন্যান্য পৰিৱেশ সস্বকীয় আইন, নিয়ম আৰু বিধিত প্ৰয়োজনীয়তা মানি চলা।
- **পৰিৱেশজনিত বিবেচনা:** পুঁজি আবণ্টন আৰু সঞ্চালনৰ সৈতে জড়িত সিদ্ধান্ত গ্ৰহণ প্ৰক্ৰিয়াত পৰিৱেশ অনুকূল বিবেচনা আৰু কাৰ্য্য সম্পাদনৰ মেট্ৰিক তথা মিটাৰসমূহ অন্তৰ্ভুক্ত কৰা।
- **পৰিৱেশ ব্যৱস্থাপনা প্ৰণালী:** বিশ্বস্তৰীয় মানদণ্ডৰ সৈতে মিলিত হ'বলৈ ISO 14001 অথবা সমপৰ্যায়ৰ আৰ্হিৰ সৈতে সামঞ্জস্য ৰক্ষা কৰি পৰিৱেশ ব্যৱস্থাপনা প্ৰণালীৰ বিকাশ, বৃপায়ণ আৰু নিৰন্তৰ উন্নতি সাধন কৰা।
- **বিপদ মূল্যায়ন আৰু প্ৰশমন:** নিয়মিত ৰূপত পৰিৱেশ সস্বকীয় বিপদসমূহৰ মূল্যায়ন কৰা, সম্ভাৱ্য প্ৰভাৱসমূহ নিয়ন্ত্ৰণ কৰা, ফলপ্ৰসূ প্ৰশমন ব্যৱস্থা বৃপায়ণ কৰা আৰু কৌশল অনুকূল কৰা, আৰু উপনিমিত ব্যাৱ দাবৰে বীমা আদিৰ দৰে সক্ৰিয় সুৰক্ষা উপায় গ্ৰহণ কৰা।
- **সমীক্ষা আৰু নিৰন্তৰ নিৰীক্ষণ:** পৰিৱেশ সস্বকীয় প্ৰভাৱৰ ফলপ্ৰসূ ব্যৱস্থাপনা নিশ্চিত কৰিবলৈ এই নীতি অনুসৰি পৰিৱেশজনিত কাৰ্য্য সম্পাদনৰ সময়ে সময়ে সমীক্ষা আৰু মূল্যায়ন কৰা।
- **নিৰন্তৰ উন্নতি আৰু অভিযোজন:** সৰ্বোত্তম উপলব্ধ পদ্ধতি আৰু প্ৰযুক্তি গ্ৰহণ কৰি আৰু অনুসন্ধান আৰু বিকাশত বিনিয়োগ কৰি পৰিৱেশ সস্বকীয় কাৰ্য্যকলাপত নিৰন্তৰ উন্নতি সাধন কৰা।

পৰিৱেশ সস্বকীয় কাৰ্য্য সম্পাদনত উন্নতি সাধন

- **বহনক্ষম সম্পদ ব্যৱস্থাপনা:** শক্তি, পানী, আৱৰ্জনা, জৈৱ-বৈচিত্ৰ্য আৰু অন্যান্য প্ৰাকৃতিক সম্পদ ব্যৱস্থাপনা পদ্ধতি শক্তিশালী কৰিবৰ বাবে চাৰ্কুলাৰ অৰ্থনৈতিক নীতি পৰিগ্ৰহণ কৰা।
- **জৈৱ-বৈচিত্ৰ্য:** জৈৱ-বৈচিত্ৰ্য আৰু প্ৰকৃতি আধাৰিত বিপদৰ পৰা হাত সাৰিবলৈ অথবা বিপদ হ্ৰাস কৰিবলৈ জৈৱ-বৈচিত্ৰ্যৰ সৈতে জড়িত বিপদ মূল্যায়ন কৰা, প্ৰশমন স্তৰ প্ৰয়োগ কৰা আৰু বননিৰুপক প্ৰচাৰ কৰা।
- **জলবায়ু ব্যৱস্থা:** গ্ৰীণ হাউচ গেছ নিগমণ হ্ৰাস, কম কাৰ্বন শক্তিৰূপে বৃপান্তৰ, বায়ুৰ মানদণ্ড উন্নত কৰিবলৈ আৰু স্ক'প ১ আৰু স্ক'প ২ৰ বাবে নেট-জিৰ' নিগমণৰ লক্ষ্যত উপগীত হ'বলৈ জলবায়ুৰ বিপদ প্ৰশমন ব্যৱস্থাৰ সমান্তৰালকৈ তৎকালীন আৰু দীৰ্ঘ-ম্যাদী কাৰ্য্যব্যৱস্থা গ্ৰহণ কৰা।

স্বচ্ছতা আৰু জবাবদিহিতা নিশ্চিত কৰা

- **লক্ষ্য নিৰূপণ:** প্ৰশমন স্তৰ (প্ৰতিৰোধ, হ্ৰাস, পুনৰ ব্যৱহাৰ, পুনৰ্ব্যৱহাৰ্য্য কৰাক প্ৰাথমিকতা প্ৰদান আৰু দায়িত্বশীল ব্যৱস্থাপনা) প্ৰয়োগ কৰি পৰিৱেশ সস্বকীয় প্ৰভাৱ ন্যূনতম, হ্ৰাস আৰু প্ৰশমিত কৰাৰ ক্ষেত্ৰত স্পষ্ট উদ্দেশ্য আৰু লক্ষ্য নিৰ্ধাৰণ কৰা আৰু ইয়াৰ স্বচ্ছ প্ৰতিবেদন নিশ্চিত কৰা।
- **বহনক্ষমতা-জড়িত কে পি আই:** কাৰ্য্যবাহীসকলকৰ মূল পৰিৱেশন সূচকসমূহ (Key Performance Indicators), পৰিৱেশ সস্বকীয় লক্ষ্য প্ৰাপ্তিৰ সৈতে জড়িত হৈ থাকিব, যাৰ দ্বাৰা বহনক্ষমতাৰ পদক্ষেপসমূহ বৃপায়ণত দায়বদ্ধতা নিশ্চিত হ'ব।

সক্ৰিয় পৰিস্থিতিস্তৰ স্থাপন

- **অংশীদাৰসকলক জড়িতকৰণ:** ব্যৱসায়িক সহযোগী আৰু যোগানকাৰীসকলৰ লগতে আভ্যন্তৰীণ আৰু বাহিৰৰ অংশীদাৰসকলৰ মাজত সম্ভাৱ্য পৰিৱেশ সস্বকীয় প্ৰভাৱ আৰু ইয়াৰ দায়িত্বশীল ব্যৱস্থাপনাৰ বিষয়ে সজাগতা বৃদ্ধি কৰা। স্বচ্ছতা নিশ্চিত কৰিবলৈ পৰিৱেশৰ প্ৰতি আমি পালন কৰা দায়িত্বৰ ওপৰত আস্থা গঢ়ি তুলিবলৈ স্থানীয় জনসাধাৰণ, নিয়ামক কৰ্তৃপক্ষ আৰু অন্যান্য অংশীদাৰসকলৰ সৈতে সম্বন্ধ গঢ়ি তোলা।
- **সহযোগিতা আৰু অংশীদাৰিত্ব:** পৰিৱেশ সস্বকীয় কাম-কাজ বৃদ্ধি কৰিবলৈ আৰু পৰিৱেশৰ স্থিতিস্থাপকতা গঢ়ি তুলিবলৈ ৰাষ্ট্ৰীয় আৰু আন্তঃৰাষ্ট্ৰীয় সংস্থাসমূহৰ সৈতে অংশীদাৰিত্ব গঢ়ি তোলা।
- **সংবেদনশীল আৰু প্ৰশিক্ষণ:** কৰ্মচাৰী, ঠিকাদাৰ আৰু যোগানকাৰীসকলক পৰিৱেশ সস্বকীয় বিপদ হ্ৰাস কৰাৰ গুৰুত্বৰ বিষয়ে আৰু তেওঁলোকৰ কাৰ্য্যৰ পৰিৱেশগত পৰিণতিৰ বিষয়ে অনুধাৱন কৰিবলৈ সংবেদনশীল কৰি তোলা/ প্ৰশিক্ষণ দিয়া।
- **স্বচ্ছতা আৰু প্ৰতিবেদন:** বহনক্ষমতাৰ প্ৰতিবেদনকে খৰি ৰাজহুৱা প্ৰকাশৰ জৰিয়তে পৰিৱেশ ব্যৱস্থাপনাৰ প্ৰচেষ্টা, অগ্ৰগতি আৰু কাৰ্য্য সম্পাদনৰ বিষয়ে সকলো অংশীদাৰৰ সৈতে নিয়মিতভাৱে আলোচনা কৰা। পৰিৱেশ সস্বকীয় তথ্যৰ বাহ্যিক নিশ্চয়তা প্ৰাপ্ত কৰা আৰু স্বীকৃতিপ্ৰাপ্ত বিশ্বস্তৰীয় প্ৰতিবেদনৰ মানদণ্ডৰ সৈতে সামঞ্জস্যতা নিশ্চিত কৰা।

৫) দায়বদ্ধতা আৰু সমীক্ষা

এই নীতি কাৰ্য্যকৰী কৰাৰ প্ৰতি অইল ইণ্ডিয়া লিমিটেড দায়বদ্ধ আৰু প্ৰতিশ্ৰুতিবদ্ধ। সঞ্চালন ক্ষেত্ৰৰ সঞ্চালকসকলকে খৰি বোৰ্ড পৰ্য্যায়ৰ উপ-সমিতিৰ দায়িত্ব হৈছে এই নীতিৰ তদাৰক আৰু বলবৎ কৰা। সংশ্লিষ্ট মানদণ্ডসমূহৰ সম্পূৰ্ণ কাৰ্য্যকৰীকৰণ আৰু অনুপালনৰ দায়িত্ব অৰ্পণ কৰা হৈছে এইছ এছ ই আৰু ই এছ জিৰ কাৰ্য্যবাহী সঞ্চালকক। উপ-সমিতিয়ে প্ৰতি বছৰে এই নীতিৰ সমীক্ষা কৰি কোনো সংশোধনৰ প্ৰয়োজন হ'লে প্ৰস্তাৱ আগবঢ়াব।

Ranjit Raha
ড০ ৰঞ্জিত ৰথ
অধ্যক্ষ আৰু পৰিচালন সঞ্চালক

কাৰ্য্যকৰী হোৱাৰ তাৰিখ:- ১৮/১২/২০২৪